Written by मेरी बटिया संवाददाता
Tuesday, 29 May 2018 09:10

:□□□□□□-□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□,□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ :□□□□□□ □□ □□□□□ □□-□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□,□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ :□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ :

□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□

□□□□□□□□ :50 हजार का इनामी जलि पंचायत अध्यक्ष केसम्बन्ध में □सपी रोहन पी कनय द्वारा आयोजति प्रेस वार्ता केअंत मे पत्रकारो और वकीलों में जमकर जुबानी तीर तलवारें चली□ पत्रकारो का रोष प्रेस वार्ता में आये दो वकीलों से था जो पत्रकारों का काम धाम छनिने में लगे थे□ □सपी के प्रेस वार्ता में □कवकील ने सवाल पूछना शुरू कयिा ही कि□कपत्रकार ने इस पर खेद प्रकट कयिा की प्रेस वार्ता पत्रकारो केलि□ हैं□ जसि पर वकील प्रीतम मश्रि आगबुला हो गया और प्रेस वार्ता स्थल पर हुआँ हुआँ शुरू होने लगा□ जसिको देख □सपी ने खुद पत्रकारों को शांत रहने का इशारा कयिा□ प्रेस वार्ता खतम होते ही वहां बंगाल का काला जादू नजर आने लगा□ बहसबाजी तेज होने लगी इसी बीच दूसरे वकील वनिय श्रीवास्तव ने पत्रकारों पर दलाली से सम्बंधति टप्पिणी कर दी□ ऐसा सुनते ही पत्रकारति को करम समझने वाले कुछ पत्रकारों ने वकीलों को गलयिों से नवाजा□ वकीलों की जमकर जुबानी जुताई की गई□

फरि क्या था □कवरष्ठि पत्रकार वो दनि भी याद दलिा दयिा जब मतगणना केदौरान वरष्ठि पत्रकार चंद्र प्रकाश पांडेय का लाठीचार्ज में पुलसि द्वारा मार कर सर फोड़ने तथा पॉकेट से पैसा नकिलने की घटना केबाद पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त हो गया था जबकि□पुलसि अधीक्षक द्वारा आयोजति रात्रि भोज में जाने को लेकर वाट्सऐप पर चला□ ग□ वाद ववािद मैसेज और डनिर में खाना ना खा पाने से अपमानति 24 ब्रांडेड □वम ओरजिनल पत्रकारों ने कुछ अज्ञात पत्रकारों पर प्राथमकि दर्ज कराई गई थी□ दर्ज प्राथमकि केबाद कोतवाली पुलसि जो पुलसि अधीक्षक केनरि्देशन में पत्रकारों को वरिोध करने से रोकने केलि□ तरह-तरह केहथक्ंडे अपनाने में लगी थी□ जसि हथक्ंडे में पुलसि द्वारा बेक्सूर पत्रकारों केघर दबशि देकर दुर्व्यवहार करना भी शामलि था□ परंतु पीड़ति पत्रकार पक्ष ने अपना रास्ता नहीं बदला कुछ दलाल प्रवृत्ति केपत्रकार पुलसि अधीक्षक केखास बनने की चाह में अपने ही वर्ग का वरिोध करना शुरू कर दयिा□

आपको बताते चलें कि□वगित दनिों पुलसि अधीक्षक का स्थानांतरण होने केबाद न□ पुलसि अधीक्षक ने जब कार्यभार संभाला तो पत्रकारों केवरिोध करने वाला ग्रुप उन का खासमखास बनने की चाह रखते हु□ पुन□ पुरानी प्रवृत्ति को जीवति करना चाहा, परंतु नजारा ही दनिांक27 मई को बदल गया जब पुलसि अधीक्षक ने जलि पंचायत अध्यक्ष रामप्रवेश यादव की गरिफ्तारी पर प्रेस वार्ता का आयोजन कयिा तो उस पत्रकार वार्ता केदौरान उपस्थति वकील को देख पत्रकारों ने जनपद केसबसे बड़े दलाल समझकर टीका टप्पिणी करना शुरू की□ उसी बीच वकील केसाथ आ□ हु□ □कव्यक्ति ने 1 दसिंबर की घटना का याद दलिाते हु□ सरेआम भोज में जाने वाले पत्रकारों को दर्ज प्राथमकि में वादी बने 24 पत्रकारों को सरेआम दलाल कहना जब शुरू कर दयिा□ इस पर ईमानदार छवि केपत्रकारों केसम्मान को ठेस पहुंची जसि का वरिोध ईमानदार छवि केपत्रकारों ने तो कयिा वही 24 पत्रकार जो प्राथमकि दर्ज करा कर दलाल साबति हु□ मुंह छुपाते हु□ भाग खड़े हु□ □कक्हावत है कि"आसमान पर थूकने तो अपने ही ऊपर छींटे पड़ेंगे " आखरि पड़ ही गया□

(□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□)